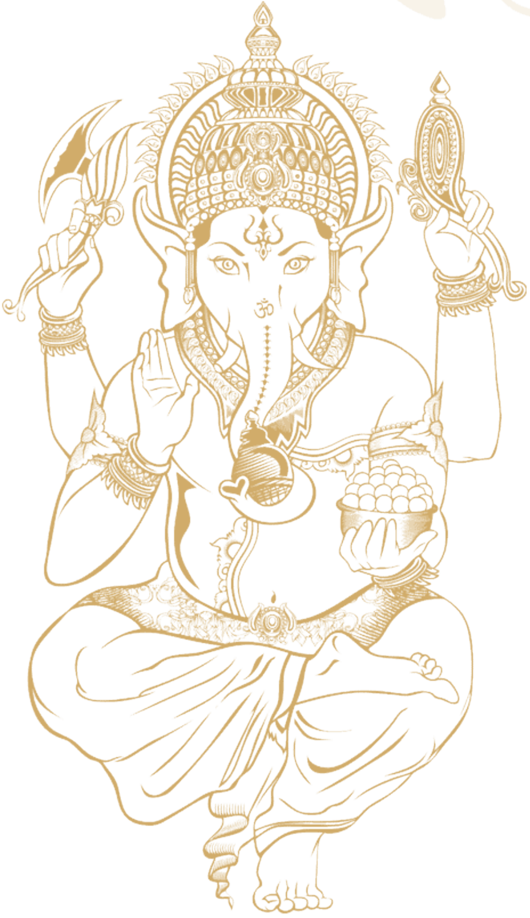

??????

03 Mar 2003

04:56 PM

Chandigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121248812

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/03/2003**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:56:00 घंटे**
इष्ट	25:19:51 घटी
स्थान	**Chandigarh**
देश	India

अक्षांश	30:43:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:33:08 घंटे
वेलान्तर	-00:12:04 घंटे
साम्पातिक काल	03:16:27 घंटे
सूर्योदय	06:48:03 घंटे
सूर्यास्त	18:22:13 घंटे
दिनमान	11:34:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	18:34:09 कुम्भ
लग्न के अंश	00:57:38 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	00:57:38	306:00:08	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	18:34:09	01:00:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	22:46:33	12:22:30	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	05:12:11	00:38:17	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	कुंभ	03:25:55	01:38:42	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	15:42:57	00:05:40	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			मक	07:13:12	01:10:42	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि			वृष	28:19:01	00:01:02	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	09:10:33	00:13:36	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	09:10:33	00:13:36	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	05:41:21	00:03:24	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	17:55:05	00:02:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:56:44	00:00:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मेष	27:38:17	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:50

लग्न-चलित

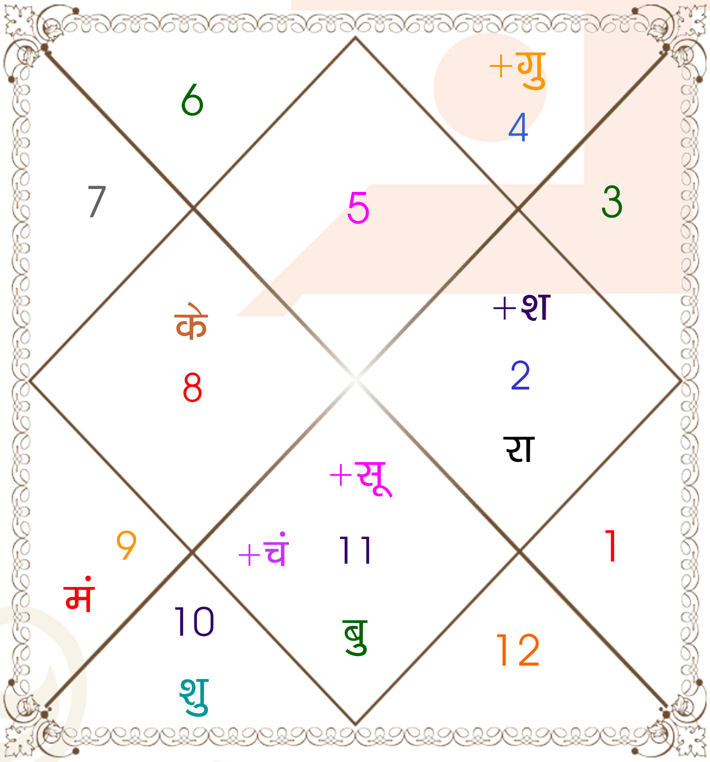

चन्द्र कुंडली

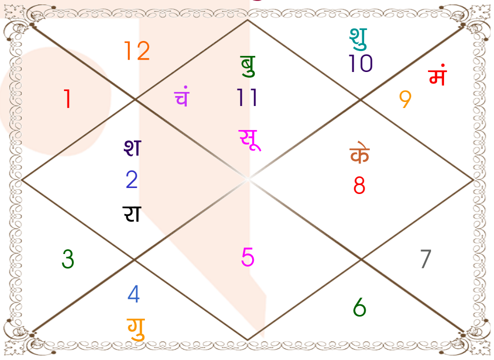

नवमांश कुंडली

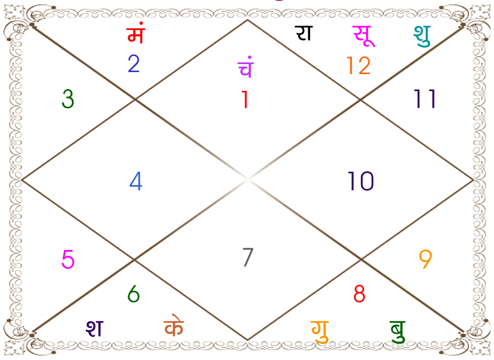

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 8 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/03/2003		**03/11/2015**		**02/11/2034**		**03/11/2051**		**02/11/2058**	
03/11/2015		**02/11/2034**		**03/11/2051**		**02/11/2058**		**02/11/2078**	
	03/03/2003	शनि	05/11/2018	बुध	31/03/2037	केतु	31/03/2052	शुक्र	04/03/2062
शनि	03/07/2004	बुध	16/07/2021	केतु	28/03/2038	शुक्र	31/05/2053	सूर्य	04/03/2063
बुध	09/10/2006	केतु	24/08/2022	शुक्र	26/01/2041	सूर्य	06/10/2053	चंद्र	02/11/2064
केतु	15/09/2007	शुक्र	24/10/2025	सूर्य	03/12/2041	चंद्र	07/05/2054	मंगल	02/01/2066
शुक्र	16/05/2010	सूर्य	06/10/2026	चंद्र	04/05/2043	मंगल	03/10/2054	राहु	02/01/2069
सूर्य	04/03/2011	चंद्र	06/05/2028	मंगल	30/04/2044	राहु	21/10/2055	गुरु	03/09/2071
चंद्र	03/07/2012	मंगल	15/06/2029	राहु	18/11/2046	गुरु	26/09/2056	शनि	02/11/2074
मंगल	09/06/2013	राहु	21/04/2032	गुरु	22/02/2049	शनि	05/11/2057	बुध	02/09/2077
राहु	03/11/2015	गुरु	02/11/2034	शनि	03/11/2051	बुध	02/11/2058	केतु	02/11/2078

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/11/2078		**02/11/2084**		**02/11/2094**		**03/11/2101**		**04/11/2119**	
02/11/2084		**02/11/2094**		**03/11/2101**		**04/11/2119**		**00/00/0000**	
सूर्य	20/02/2079	चंद्र	02/09/2085	मंगल	31/03/2095	राहु	16/07/2104	गुरु	22/12/2121
चंद्र	22/08/2079	मंगल	03/04/2086	राहु	18/04/2096	गुरु	10/12/2106	शनि	04/03/2123
मंगल	27/12/2079	राहु	03/10/2087	गुरु	25/03/2097	शनि	16/10/2109		00/00/0000
राहु	20/11/2080	गुरु	01/02/2089	शनि	04/05/2098	बुध	04/05/2112		00/00/0000
गुरु	08/09/2081	शनि	02/09/2090	बुध	01/05/2099	केतु	23/05/2113		00/00/0000
शनि	21/08/2082	बुध	02/02/2092	केतु	27/09/2099	शुक्र	22/05/2116		00/00/0000
बुध	28/06/2083	केतु	02/09/2092	शुक्र	27/11/2100	सूर्य	16/04/2117		00/00/0000
केतु	03/11/2083	शुक्र	04/05/2094	सूर्य	04/04/2101	चंद्र	16/10/2118		00/00/0000
शुक्र	02/11/2084	सूर्य	02/11/2094	चंद्र	03/11/2101	मंगल	04/11/2119		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 8 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकते हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकते हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगे तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगे। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगे तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगे। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने के अभिलाषी रहे तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करते हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाले मुलायम और घने बालों वाले समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाले एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग व्यक्ति है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राशीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकते हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगे। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पत्नी को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।